

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में अर्थ डे पर रंगारंग प्रस्तुति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में 'अर्थ डे' के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन उल्लास, श्रद्धा और संवेदनशीलता से परिपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरूआत एक शानदृष्टि प्रार्थना से हुई, जिसके बाद स्कूल के बवायर गुप्त द्वारा एक मध्ये भजन प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे वातावरण को संगीतमय और प्रेरणादायक बना दिया। अज के विचार ने उपर्युक्त सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को यह सोचे एवं मनजूर कर दिया कि पृथ्वी की रक्षा में हमारी व्यक्तिगत भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। इसके पश्चात एक भावनात्मक गीत और एक आकर्कम नृत्य-नाटक



का मंचन किया गया, जिसमें धरती की सुरक्षा और उसे बचाने की आवश्यकता को सुनुरता से दर्शाया गया। शिक्षिका द्वारा दिये गये भाषण ने छात्रों को सतत विकास और पर्यावरण संबंधी जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने सरल बच्चों के प्रति अपना कर्तव्य निभा सकते हैं।

इस अवसर पर रचनात्मक विद्यार्थियों की भी भरमार रक्षा।

प्राचार्यांशु पमजीत कौर ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन में कहा, मां धरती की सुरक्षा हम सभी की प्रतियोगिता और प्रेरणादायक नाटक का आयोजन किया गया। इन विद्यार्थियों में इस प्रकार के आयोजन बच्चों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण की भावना को मजबूती प्रदान करते हैं।

कला व सोच से पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

प्राचार्यांशु पमजीत कौर ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन में कहा, मां धरती की सुरक्षा हम सभी की प्रतियोगिता और प्रेरणादायक नाटक का आयोजन किया गया। इन विद्यार्थियों में इस प्रकार के आयोजन बच्चों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण की भावना को मजबूती प्रदान करते हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातू के छात्रों ने किया पौधरोपण



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातू, रांची में 'अर्थ डे' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सीएमपीडीआई के जेनरल मैनेजर (इनवेंटरी) द्वारा विद्यार्थियों को भूमंडलीय ऊर्जाकरण (ग्लोबल वर्मिंग), वायु और जल प्रदूषण के बढ़ते दुर्घातावों के प्रति संचेतन और उसके संरक्षण के प्रति हमें प्रति बढ़ाने और पौधरोपण के महत्व के बारे में बताया। कक्षा तीन के

विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

प्राचार्यांशु डॉ तापस घोष ने कहा कि प्रदूषण के कारण बल्लंते तापमान से जलवायु में परपती असमानता से सामान्य विकास की दिशा में विद्यार्थियों को सबोधन करते हुए कहा, पृथ्वी हमारी मां के समान है, जो हमें बहुत बहार देता है। अज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी को स्वच्छ, हड्डा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करें। इस पोस्टर प्रस्तुति में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए जल संरक्षण, वरित ऊर्जा, आवश्यकता पर आधारित पोस्टर प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकास करना, सतत विकास की दिशा में सोच को प्रेरित करना और जलवायु परिवर्तन से संबंधित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने एनएसएस के छात्रों को पर्यावरण रक्षक के रूप में अपने अपने रचनात्मकता का परिचय देते हुए जल संरक्षण, वरित ऊर्जा, आवश्यकता पर आधारित पोस्टर प्रस्तुति दी।

विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

प्राचार्यांशु डॉ तापस घोष ने कहा कि प्रदूषण के कारण बल्लंते तापमान से जलवायु में परपती असमानता से सामान्य विकास की दिशा में विद्यार्थियों को सबोधन करते हुए कहा, पृथ्वी हमारी मां के समान है, जो हमें बहुत बहार देता है। अज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी को स्वच्छ, हड्डा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करें। इस पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम के निर्णयक डॉ कमल कांत पात्रा, डॉ सोनिया

वाइबीएन विश्वविद्यालय में आवर पॉवर आवर प्लानेट थीम पर कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वाइबीएन विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में 'अर्थ डे' (पृथ्वी दिवस) के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के प्रति अपेक्षित डॉ तापस घोष ने कहा कि प्रदूषण के कारण बल्लंते तापमान से जलवायु में परपती असमानता से सामान्य विकास की दिशा में विद्यार्थियों को सबोधन करते हुए कहा, पृथ्वी हमारी मां के समान है, जो हमें बहुत बहार देता है। अज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी को स्वच्छ, हड्डा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करें। इस पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम के निर्णयक डॉ कमल कांत पात्रा, डॉ सोनिया

पोधरोपण, और प्रदूषण नियन्त्रण जैसे विषयों को प्रभावशाली तरीके से चिन्हित किया।

कार्यक्रम के दौरान वाइबीएन विश्वविद्यालय के प्रति संवेदनशीलता विकास करना, सतत विकास की दिशा में सोच को प्रेरित करना और जलवायु परिवर्तन से संबंधित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने एनएसएस के छात्रों को पर्यावरण के प्रति सचेतन और उसके संरक्षण के प्रति हमें प्रति बढ़ाने की आपेक्षा की जिम्मेदारी है। उन्होंने एनएसएस के छात्रों को पर्यावरण रक्षक के रूप में अपने अपने रचनात्मकता का परिचय देते हुए जल संरक्षण, वरित ऊर्जा, आवश्यकता पर आधारित पोस्टर प्रस्तुति दी।

विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

प्राचार्यांशु डॉ तापस घोष ने कहा कि प्रदूषण के कारण बल्लंते तापमान से जलवायु में परपती असमानता से सामान्य विकास की दिशा में विद्यार्थियों को सबोधन करते हुए कहा, पृथ्वी हमारी मां के समान है, जो हमें बहुत बहार देता है। अज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी को स्वच्छ, हड्डा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करें। इस पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम के निर्णयक डॉ कमल कांत पात्रा, डॉ सोनिया

पोधरोपण, और प्रदूषण नियन्त्रण जैसे विषयों को प्रभावशाली तरीके से चिन्हित किया।

कार्यक्रम के दौरान वाइबीएन विश्वविद्यालय के प्रति संवेदनशीलता विकास करना, सतत विकास की दिशा में सोच को प्रेरित करना और जलवायु परिवर्तन से संबंधित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने एनएसएस के छात्रों को पर्यावरण के प्रति सचेतन और उसके संरक्षण के प्रति हमें प्रति बढ़ाने की आपेक्षा की जिम्मेदारी है। उन्होंने एनएसएस के छात्रों को पर्यावरण रक्षक के रूप में अपने अपने रचनात्मकता का परिचय देते हुए जल संरक्षण, वरित ऊर्जा, आवश्यकता पर आधारित पोस्टर प्रस्तुति दी।

विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

प्राचार्यांशु डॉ तापस घोष ने कहा कि प्रदूषण के कारण बल्लंते तापमान से जलवायु में परपती असमानता से सामान्य विकास की दिशा में विद्यार्थियों को सबोधन करते हुए कहा, पृथ्वी हमारी मां के समान है, जो हमें बहुत बहार देता है। अज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी को स्वच्छ, हड्डा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करें। इस पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम के निर्णयक डॉ कमल कांत पात्रा, डॉ सोनिया

पोधरोपण, और प्रदूषण नियन्त्रण जैसे विषयों को प्रभावशाली तरीके से चिन्हित किया।

कार्यक्रम के दौरान वाइबीएन विश्वविद्यालय के प्रति संवेदनशीलता विकास करना, सतत विकास की दिशा में सोच को प्रेरित करना और जलवायु परिवर्तन से संबंधित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने एनएसएस के छात्रों को पर्यावरण के प्रति सचेतन और उसके संरक्षण के प्रति हमें प्रति बढ़ाने की आपेक्षा की जिम्मेदारी है। उन्होंने एनएसएस के छात्रों को पर्यावरण रक्षक के रूप में अपने अपने रचनात्मकता का परिचय देते हुए जल संरक्षण, वरित ऊर्जा, आवश्यकता पर आधारित पोस्टर प्रस्तुति दी।

विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

प्राचार्यांशु डॉ तापस घोष ने कहा कि प्रदूषण के कारण बल्लंते तापमान से जलवायु में परपती असमानता से सामान्य विकास की दिशा में विद्यार्थियों को सबोधन करते हुए कहा, पृथ्वी हमारी मां के समान है, जो हमें बहुत बहार देता है। अज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी को स्वच्छ, हड्डा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करें। इस पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम के निर्णयक डॉ कमल कांत पात्रा, डॉ सोनिया

पोधरोपण, और प्रदूषण नियन्त्रण जैसे विषयों को प्रभावशाली तरीके से चिन्हित किया।

